

## भारत के लिये चुनौती बना 'हरति ऊर्जा' का लक्ष्य

### संदर्भ

उल्लेखनीय है कि रूफटॉप सोलर (rooftop solar) कार्यक्रम की मंद गति के कारण भारत सरकार वर्ष 2022 तक अपने 175 गीगावाट के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ होगी। मंत्रालय इस अंतराल को भरने के लिये जैव गैस और छोटे पनबजिली प्रोजेक्टों को भी बढ़ावा दे रहा है।

### प्रमुख बढि

- सरकार रूफटॉप सोलर संबंधी सभी मुद्दों से परचिति है और रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिये एक नई योजना पर वचिार कर रही है। इस संबंध में मंत्रालय में भी वार्ता चल रही है, लेकिन ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि सरकार इसके माध्यम से 175 गीगावाट के लक्ष्य को प्राप्त करने में समर्थ होगी।
- सरकार ने वर्ष 2022 तक रूफटॉप सोलर के 40 गीगावाट लक्ष्य को प्राप्त करने की घोषणा की थी, परन्तु इसने दसिम्बर 2016 तक केवल 1.3 गीगावाट के लक्ष्य को ही प्राप्त किया जो इसके संपूरण लक्ष्य के 3% से थोड़ा ही अधिक है।
- वदियुत मंत्रालय द्वारा गठित की गई स्थाई समिति द्वारा मई 2016 में दी गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में छोटे जल प्रोजेक्टों में 19.7 गीगावाट क्षमता की ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है, जबकि यह इसका केवल 21% ही उपयोग करता है।

### रूफटॉप सोलर से संबंधित समस्या एवं चुनौतियाँ

- भारत में अधिकांश छतें समतल हैं तथा लोग इनका उपयोग कई प्रकार (जैसे- कपड़ों को सुखाने इत्यादि) से करते हैं। भारत के कुछ हिस्से ऐसे भी हैं जहाँ लोग छतों पर ही सोते हैं। अतः वे सोलर पैनल से उस जगह को कवर नहीं करना चाहते हैं।
- वर्तमान स्थितियों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि भारत रूफटॉप सोलर के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा।
- रूफटॉप सोलर के मार्ग में कई चुनौतियाँ हैं। पहली चुनौती यह है कि भारत के पास ऐसे वित्तीय संस्थान नहीं हैं जो इन प्रोजेक्टों की मांग को पूरा कर सकें। जब तक ऐसा नहीं होता है तब तक आवश्यक नविश करना मुश्किल होगा।
- दूसरी चुनौती यह है कि रूफटॉप सोलर में नविश करना जोखिमपूरण भी हो सकता है। हालाँकि, वर्तमान में अधिकतर नविश वाणज्यिक सोलर प्रोजेक्टों के लिये किया जा रहा है।
- तीसरी समस्या यह है कि उपयोगकर्ताओं द्वारा किये गए गारंटी युक्त भुगतान के वषिय में भी अभी कोई भी स्पष्ट नयिमाकीय व्यवस्था नहीं है।
- यदि इन तीनों मुद्दों का समाधान किया जाता है तो इस क्षेत्र में किये गए नविश उपयोगी सिद्ध होंगे।

### क्या है हरति ऊर्जा?

- हरति ऊर्जा सूर्य के प्रकाश, वायु, वर्षा, ज्वार, पौधे, शैवाल और भूतापीय ऊष्मा जैसे प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त होती है। ये नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन हैं।
- इनका पर्यावरण पर बहुत ही कम प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- हरति ऊर्जा में ऐसे स्रोतों का उपयोग होता है जो विश्व में सभी जगह यथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध होते हैं।

### नषिकर्ष

वर्तमान में सरकार की योजना जैव भार से शक्ति प्राप्त करने वाले संयंत्रों और 5 गीगावाट के छोटे पनबजिली प्रोजेक्टों से 10 गीगावाट ऊर्जा प्राप्त करना है। हालाँकि, ऊर्जा विशेषज्ञ यह कहते हैं कि यह क्षमता काल्पनिक है चूँकि इन प्रोजेक्टों को दुर्गम इलाकों में स्थापित किया जा रहा है जिससे इन प्रोजेक्टों की लागत तथा उन शुल्कों में भी बढ़ोतरी होगी जिन् पर वे ऊर्जा का वितरण करेंगे।